SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (AUTONOMOUS)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Programme: **HINDI**

Programme Code: SBAHIL

S.Y.B.A.

(2021-2022)

(Choice Based Credit System with effect from the year **2018-19**)

Programme Outline : SYBA(SEMESTER III)

Course Code	इकाई	Name of the Unit	Credits
SBAHIL301		**मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य**	3
	1	मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	
	2	परशुराम की प्रतीक्षा - खंड १	
	3	प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण	
SBAHIL302		**प्रयोजनमूलक हिंदी**	3
	1	प्रयोजनमूलक हिंदी	
	2	विज्ञापन	
	3	अनुवाद	
	4	पारिभाषिक शब्दावली	

Programme Outline : SYBA (SEMESTER IV)

Course Code	इकाई	Name of the Unit	Credits
SBAHIL401		**आधुनिक हिंदी गद्य**	3
	1	दौड़ (लघु उपन्यास) - ममता कालिया, वाणी प्रकाशन	
	2	आज भी खरे हैं तालाब (निबंध) - अनुपम मिश्रा, वाणी प्रकाशन	
	3	एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष	
SBAHIL402		**जनसंचार माध्यम**	3
	1	जनसंचार अर्थ, स्वरुप एवं परिभाषा	
	2	जनसंचार माध्यमों का विकास एवं उपयोगिता	
	3	जनसंचार माध्यमों की भाषा	

	4	संविधान : मौलिक अधिकार सूचना का अधिकार	

Preamble (प्रास्ताविका)

कला स्नातक [बी . ए] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास का व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियां एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित करना और उनमें नैतिकता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है| विभाग छात्रों को रोजगार के क्षेत्रो में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद ,विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है| काव्यशास्त्रीय अध्ययन से छात्रों में काव्य के प्रति रूचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्य शास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियां प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधो के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधो के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि का हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभाव को दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किया गया है |

PROGRAMME OBJECTIVES

PO 1	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के माध्यम से काव्य भाषा की सुन्दरता से परिचित कराना और विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से संवाद करने में सक्षम बनाना तथा काव्य में निहित रस, भावना, और आध्यात्मिकता के विभिन्न आयामों से विद्यार्थियों को जोड़ना और उन्हें एक साहित्यिक अनुभव कराना।
PO 2	जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त व्यावहारिक हिंदी के पठन-पाठन से विद्यार्थियों को रोजमर्रा की जीवन में संचार करने के लिए एक सुगम और सहज भाषा प्रदान करना। व्यावहारिक हिंदी भाषा को सामाजिक, व्यावसायिक, शैक्षणिक और पारंपरिक संदर्भों में उपयोगी बनाने का प्रयास करना |
PO 3	उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवों, सोच की गहराई और विचारों को दूसरों के साथ साझा करने में सक्षम कराना और साथ ही विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच संबंधों को मजबूत करने का कौशल निर्माण करना |

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO 1	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के द्वारा विद्यार्थियों में नयी विचारधारा, संवेदनाएँ और दृष्टिकोण का निर्माण होगा | काव्य भाषा की रचनात्मकता और उसकी सांस्कृतिक विविधता को समझ सकेंगे | इसके अलावा, काव्य रस, संवेदना, और साहित्यिक गुणों को समझने की उनमें क्षमता निर्माण होगी |
PSO 2	व्यावहारिक हिंदी और जनसंचार के माध्यम से छात्रों में मीडिया में पत्रकार, संपादक, रिपोर्टर, लेखक, और ब्लॉगर के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे साथ ही - विविध विभागों और संगठनों में हिंदी भाषा के अनुवादक, संचालक, और सामाजिक संचार अधिकारी के रूप में, हिंदी भाषा में विपणन, विज्ञापन, और बाजारिक संचार के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
PSO 3	उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थी समाज में आनेवाले बदलाव, संघर्ष, प्रेम, विश्वास, और मानवीय अनुभवों को समझने में सक्षम होंगे | उपन्यास के पात्रों के माध्यम से चरित्रों के संघर्ष, विचारों और भावनाओं से अपने चारित्रिक गुणों का विकास करेंगे | इसके अलावा मानवता, न्याय, समाजिक असमानता को समझने में सक्षम होंगे।

SEMESTER III

NAME OF THE COURSE	मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	
CLASS	SYBA	
COURSE CODE	SBAHIL301	
NUMBER OF CREDITS	3	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	3	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	45	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	50	50
PASSING MARKS	20	20

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थी को मध्यकाल से लेकर आधुनिकतम हिंदी कवियों की कविताओं के ज़रिए हिंदी काव्य से अंतरंग साक्षात्कार करवाना।
CO 2.	मध्यकालीन भक्ति और रीति की काव्यधाराओं को कबीर, तुलसी, बिहारी आदि के काव्य के माध्यम से स्पष्ट करना तथा आधुनिकता बोध को दिनकर, त्रिलोचन, केदारनाथ सिंह, ज्ञानेंद्रपति, उदयप्रकाश, मगलेश डबराल तथा कुंवर नारायण के काव्य से स्पष्ट करना।
CO 3.	परशुराम की प्रतीक्षा काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों में मूल्यांकन क्षमता एवं नैतिकता निर्माण करना |
CO 4.	कुँवरनारायण की प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से आधुनिक कविताओं से परिचय करवाना एवं मानवीय मूल्यों का

	निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	मध्यकालीन काव्य एवं आधुनिक कवियों की कविताओं को पढ़कर विद्यार्थी हिंदी काव्य परम्परा के विहंगम दृश्य से परिचित होंगे ।।
CLO 2.	कबीर, तुलसी, सूरदास आदि कवियों के विषयों को समझकर वे मध्यकालीन और आधुनिक चितवृत्तियों को, उनके विकास को मूर्त रूप में अनुभव कर पाएंगे।
CLO 3.	परशुराम की प्रतीक्षा काव्य के माध्यम से एक संवेदनशील व्यक्ति के नैतिक संघर्ष का साक्षात्कार कर पाएंगे।
CLO 4.	कुँवरनारायण की प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से आधुनिक कविताओं से परिचय एवं मानवीय मूल्यों का निर्माण होगा |

इकाई 1	**मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य**
1.1	कबीर के दोहे - ● सतगुरु की महिमा अनंत….. .अनंत दिखावणहार ॥ ● दीपक दीया तेल भरि……. बहुरि न आवौं हट्ट॥ ● बलिहारी गुरु. ……..न लागी बार॥ ● सतगुर लई कमाँण करि. …… भीतरि रह्या सरीर ॥ सुमिरन भजन महिमां कौ अंग- ● कबीर सूता क्या करै…….. लम्बे पाँव पसारि ॥ ● तू तू करता तू भया। ..... जित देखौं तित तूँ ● च्यंता तौ हरि नाँव की..... सोई काल कौ पास ● भली भई जो... ……पड़ता पूरी जानि ॥
1.2	.सूरदास के पद- ● अविगत गति..... ……..सूर सगुन लीला पद गावै॥ ● हरि सों मीत न देख्यौं कोई..... नाना त्रास निवारे ॥ ● गोविन्द प्रीति सबन की मानत..... जुग जुग भगत बढ़ाए॥ ● जैसे तुम गज कौ…….सुदामा तिहि दारिद्र नसायौ ॥
1.3	तुलसीदास- अयोध्याकांड- ● माई री! मोहि कोउ न समुझावै ….. . .पीर न जाति बखानी॥ ● जब-जब भवन बिलोकति सूनो..... बिनु सोकजनित रुज मेरो ॥ ● काहे को खोरि कैकायिहि.. .. मनहु राम फिरि आए॥ ● भाई! हौं अवध कहा रहि लैहौं। ….निकसि बिहंग-मृग भागे
.1.4	बिहारी के दोहे

	• तंत्रिनाद कवित्त रस.. ……जे बूड़े सब अंग॥ • कोरि जतन करौ..... अंत नीच कौ नीचु॥ • संगति सुमति न पावहिं…… हींग न होत सुगंधा॥ • नहिं परागु नहिं मधुर मधु..... आगै कौन हवाल॥ • कहै-यहै श्रुति सुम्रत्यों……. .पातक, राजा, रोग.॥ • घरु-घरु डोलत दीन है……लघु पुनि बड़ौ लखइ॥ • कनक-कनक तै सौगुनी.. ..इहिं पाएँही बौराइ॥ • सबै हँसत करतार दै... .गएँ गँवारै गाँव॥
1.5	आधुनिक काव्य - पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ- • आजकल लड़ाई का ज़माना है- त्रिलोचन • एक छोटा-सा अनुरोध- केदारनाथ सिंह • नदी और साबुन -ज्ञानेंद्रपति • सरकारी कोयल- उदय प्रकाश • घर- मंगलेश डबराल
इकाई 2	**परशुराम की प्रतीक्षा - रामधारी सिंह दिनकर (केवल खंड - 1)**
2.1	हिम्मत की रौशनी
2.2	लोहे के मर्द
2.3	जनता जगी हुई है
2.4	आज कसौटी पर गाँधी की आग है
2.5	समर शेष है
इकाई 3	**प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण**
3.1	घर रहेंगे
3.2	अबकी अगर लौटा तो
3.3	क्या वह नहीं होगा
3.4	बाज़ारों की तरफ़ भी
3.5	अंतिम ऊंचाई

3.6	स्पष्टीकरण

संदर्भ :

- हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण- सम्पादक- पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
- परशुराम की प्रतीक्षा - राधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन
- रामचरितमानस – तुलसीदास,
- हिंदी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- मध्यकालीन और आधुनिक काव्य - संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, वाणी प्रकाशन

NAME OF THE COURSE	प्रयोजनमूलक हिंदी	
CLASS	SYBA	
COURSE CODE	SBAHIL302	
NUMBER OF CREDITS	3	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	3	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	45	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	50	50
PASSING MARKS	20	20

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा को एक ओर सामान्य बोलचाल की और दूसरी ओर साहित्यिक हिंदी से अलगाना, हिंदी के अन्य विशिष्ट प्रयोग (मीडिया, बैंक, रेलवे, प्रशासन, कानून, चिकित्सा, तकनीक, विज्ञान आदि) स्पष्ट हो सकें।
CO 2.	भाषा के अनुवाद के अलग रूपों का परिचय देना और अनुवाद कला की ओर विद्यार्थी को अग्रेसर करना।
CO 3.	विज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञापन कला सिखाना और विज्ञापन क्षेत्र में रोजगार के प्रति परिचित करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	प्रयोजनमूलक हिंदी के इस पत्र को पढ़ने के उपरांत विद्यार्थी हिंदी से जुड़े रोज़गार के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति सचेत हो जाएंगे और उस दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।
CLO 2.	विज्ञापन और अनुवाद के संसार की अपार सम्भावनाओं को आज़मा सकेंगे साथ ही लेखन, संपादन, प्रकाशन, और

	अनुवाद के क्षेत्र में हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर पाने में सक्षम होंगे |
CLO 3.	एक ओर पत्रकारिता तो दूसरी ओर मीडिया लेखन या वाचन की ओर विद्यार्थी जाने की सोच पाएँगे, क्योकि उनके पास इन विषयों की मूलभूत जानकारी, प्रवृत्ति और मूलभूत दक्षता भी होगी।

इकाई 1	**प्रयोजनमूलक हिंदी**
1.1	प्रयोजनमूलक हिंदी - अर्थ, परिभाषा स्वरूप, विशेषताएँ और महत्त्व
1.2	सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरुप, विशेषताएँ और महत्त्व
इकाई 2	**विज्ञापन**
2.1	विज्ञापन :अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
2.2	विज्ञापन की विशेषताएँ और भाषा
इकाई 3	**अनुवाद**
3.1	अनुवाद का अर्थ, स्वरुप एवं भेद
3.2	अनुवाद के भेद –सारानुसाद, छायानुवाद, शब्दानुवाद
इकाई 4	**पारिभाषिक शब्दावली**
4.1	पारिभाषिक शब्दावली का सामान्य परिचय
4.2	50 पारिभाषिक शब्द

संदर्भ :

- प्रयोजन मूलक हिंदी- डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
- प्रयोजन मूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दंगल झाल्टे
- प्रयोजन मूलक हिंदी की नयी भूमिका कैलाश नाथ पांडेय
- प्रयोजन मूलक हिंदी- डॉ. पी.लता
- प्रस्तावना मूलक हिंदी- माधव सोनटक्के
- अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
- परिभाषा स्वरूप एवं क्षेत्र-डॉ. गोपाल राय
- अनुवाद कला डॉ. एन.ई. विभवनाथ अय्यर
- अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग- जी. गोपीनाथ

SEMESTER IV

NAME OF THE COURSE	आधुनिक हिंदी गद्य	
CLASS	SYBA	
COURSE CODE	SBAHIL401	
NUMBER OF CREDITS	3	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	3	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	45	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	50	50
PASSING MARKS	20	20

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	ममता कालिया के लघु उपन्यास दौड़ के माध्यम से 1990 के बाद के सामाजिक और मूल्यगत परिवर्तनों की व्याख्या करना।
CO 2	इस पत्र के दूसरे प्रखंड में शंकर शेष के नाटक 'एक और द्रोणाचार्य' के माध्यम से शिक्षा के संदर्भ में टूटते, बिखरते आदर्शों के मूल कारणों को समझाना।
CO 3	उपन्यास एवं नाटक विधा से परिचित होने पर विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन की और अग्रेसर करना, साथ ही उनके तत्वों को समझाकर रचनाओं के मध्य का अंतर समझाना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	'दौड़ उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थियों में बाज़ार के दबाव-समूह, उनके परोक्ष-अपरोक्ष तनाव, आक्रमण और निर्ममता तथा अंधी दौड़ में नष्ट होते मनुष्य की संवेदना को समझने की क्षमता निर्माण होगी |
CLO 2 .	शंकर शेष के नाटक के माध्यम से वे जीवन के कटु यथार्थ से वे परिचित होंगे और एक संवेदनशील व्यक्ति के नैतिक संघर्ष का साक्षात्कार कर पाएंगे।
CLO 3	उपन्यास एवं नाटक विधा से परिचित होने पर विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन की और अग्रेसर होंगे, साथ ही उनके तत्वों को समझाकर रचनाओं के मध्य का अंतर समझेंगे |

इकाई 1	**दौड़ (लघु उपन्यास) - ममता कालिया, वाणी प्रकाशन**
1.1	दौड़ (लघु उपन्यास)

इकाई 2	**आज भी खरे हैं तालाब (निबंध) - अनुपम मिश्रा, वाणी प्रकाशन**
2.1	पाल के किनारे रखा इतिहास
2.2	नींव से शिखर तक
2.3	संसार सागर के नायक
2.4	तालाब बाँधता धरम सुभाव
2.5	आज भी खरे हैं तालाब
इकाई 3	**एक और द्रोणाचार्य नाटक - शंकर शेष**

NAME OF THE COURSE	जनसंचार माध्यम	
CLASS	SYBA	
COURSE CODE	SBAHIL402	
NUMBER OF CREDITS	3	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	3	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	45	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	50	50
PASSING MARKS	20	20

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विविध जनसंचार माध्यमों से परिचय करना और नए संचार माध्यमों के विभिन्न प्रारूपों से जैसे कि लिखित, ऑडियो, वीडियो, चैट आदि से परिचित करना |
CO 2.	जनसंचार माध्यम जैसे - समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन, इंटरनेट तथा मोबाईल आदि में लेखन कौशल का विकास करना |
CO 3.	जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा के प्रयोग को समझना और उनके महत्व से परिचय करना |
CO 4.	संवैधानिक मौलिक अधिकार एवं सूचना का अधिकार अधिनियम की जानकारी देना और अपने अधिकारों के प्रति सजग करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	विविध जनसंचार माध्यमों से परिचय होने के बाद विद्यार्थियों के लिए मिडिया में रोजगार की संभावनाएं निर्माण होगी |
CLO 2.	समाचार लेखन, रेडियो लेखन, पटकथा एवं संवाद लेखन, टेलीविजन, कंटेंट लेखन और ब्लॉग लेखन आदि लेखन कौशल का विकास होगा|
CLO 3.	जनसंचार माधयमों में उपयुक्त हिंदी भाषा कौशल का विकास होगा |
CLO 4.	एक ओर पत्रकारिता, तो दूसरी ओर मीडिया लेखन या वाचन की ओर विद्यार्थी अग्रेसर होंगे और उनके बौद्धिक तथा वैचारिक स्तर का विकास होगा |

इकाई 1	**जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप**
1.1	जनसंचार : अर्थ
1.2	जनसंचार :परिभाषा
1.3	जनसंचार :स्वरूप
इकाई 2	**जनसंचार माध्यमों का विकास एवं उपयोगिता**
2.1	समाचार पत्र
2.2	रेडियो
2.3	सिनेमा
2.4	टेलीविजन
2.5	इंटरनेट
2.6	मोबाईल
इकाई 3	**जनसंचार माध्यमों की भाषा**
3.1	समाचार पत्र
3.2	रेडियो
3.3	सिनेमा
3.4	टेलीविजन

3.5	इंटरनेट
3.6	मोबाईल
इकाई 4	**संविधान मौलिक अधिकार**
4.1	सूचना का अधिकार

संदर्भ

- जनसंचार - हरीश हरोडा
- प्रिंट मीडिया लेखन - निशांत सिंह
- इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन - हरीश अरोड़ा
- मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार -चन्द्र प्रकाश मिश्र
- मीडिया विधि - निशांत सिंह
- पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण - अरविन्द मोहन
- जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र - जवारीमल्ल पारख
- भारत में प्रेस कानून - प्रो. मधुसूदन त्रिपाठी

ASSESSMENT DETAILS:(this will be same for all the theory papers)

- **Internal Assessment (50 marks)**
- **Semester End Examination – External Assessment (50 marks)**

Due to the pandemic, IA and SEE were conducted online, were objective-type and as par university guideline

****